



सेक्सी बुआ को पटा कर सील तोड़ दी -1

“मेरे पापा की चचेरी बहन हमारे घर रहने आई हुई थी, वो देखने में पूरी मस्त माल थी। मेरी नीयत उस पर खराब हो गई। अपनी बुआ को पटा कर मैंने कैसे चोदा... इस कहानी में... ..”

Story By: amu aggarwal (amuaggarwal)

Posted: Tuesday, January 26th, 2016

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [सेक्सी बुआ को पटा कर सील तोड़ दी -1](#)

सेक्सी बुआ को पटा कर सील तोड़ दी -1

दोस्तो.. मेरा नाम अम्मू है, मैं पंजाब के संगरूर ज़िले का रहने वाला हूँ, उम्र चौबीस साल है.. कद पांच फुट नौ इंच है.. मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ।

बात कुछ साल पुरानी है। मेरे पापा की चचेरी बहन हमारे घर रहने आई हुई थी। उसका नाम कोमल (बदला हुआ नाम) है और वो करीब एक महीना हमारे घर पर रही, वो मुझसे तीन साल ही बड़ी है.. रिश्ते में मेरी बुआ लगती है.. पर उम्र में ज्यादा फ़र्क ना होने की वजह से हम दोस्तों की तरह ही रहते थे और बातें करते थे।

वो देखने में पूरी मस्त माल थी और उसकी फिगर 34-26-34 थी.. उसका बदन एकदम मुलायम था। पहले तो मेरे मन में उसके लिए कुछ ग़लत नहीं था.. पर साथ में रहते हुए कभी वो मुझसे छू जाती थी तो धीरे-धीरे मेरे मन में उसके जिस्म को देखने की इच्छा होने लगी। कभी-कभी उसको मन में सोच कर मुट्ठ मारने लगा।

मैं धीरे-धीरे उसे अपनी प्रेमिका के रूप में देखने लगा.. पर उससे इस बात का इज़हार करने से डरता था.. कि कहीं वो पापा को ना बता दे और मेरी पिटाई हो जाए।

टबस यही सोच कर चुप रह जाता था.. पर जानबूझ कर मौका ढूँढता रहता था कि कब उसके मम्मों को देख या छू सकूँ। मौका मिलने पर छू भी लेता था। शायद उसे भी एहसास हो जाता था.. पर ग़लती से हुआ समझ कर जाने देती थी।

वो रोज़ रात को खाना खाने के बाद छत पर घूमती थी.. तो मैं भी मौके की तलाश में उसके साथ घूमता और उसे छूने की कोशिश करता रहता और रात को उसके नाम की मुट्ठ मारता।

एक दिन हम रोज़ की तरह छत पर घूम रहे थे.. अचानक से उसका पैर किसी चीज़ में अटक गया। जैसे ही वो गिरने लगी.. मैंने उसको संभाल लिया और पीछे से पकड़ लिया.. जिसकी वजह से मेरा लण्ड उसके पिछ्छवाड़े से लग गया.. मेरी तो जैसे मुराद पूरी हो गई थी। मेरा लण्ड तो पहले से ही सख्त था.. तो उसकी गाण्ड में चुभने लगा।

उसने यह भाँप लिया था और एकदम से ठीक होने की कोशिश भी की.. पर अब मैं मौका छोड़ने वाला नहीं था, मैंने भी गिरने का नाटक किया और उसके ऊपर गिर गया.. जिससे उसका सारा बदन मेरे बदन से चिपक सा गया।
शायद अब वो भी मेरी नीयत को समझ गई थी।

वो झट से उठी और बिना कुछ बोले नीचे जाने लगी.. पर मैंने उसका हाथ पकड़ लिया और उसको बाँहों में जकड़ लिया।

उसने पापा को बताने की धमकी दी और अलग होने के लिए हाथ-पैर मारने लगी। पहले तो में डर गया कि अगर पापा को पता लग गया तो मेरी खूब पिटाई होगी.. पर फिर भी हिम्मत करके मैंने उसके होंठों पर अपने होंठ रख दिए और ज़ोर से पकड़ कर चूमने लगा।

कोमल खुद को छुड़ाने के लिए कोशिश करने लगी.. पर वो कुछ बोल नहीं रही थी। मेरा एक हाथ उसको पकड़े हुए था और मैं दूसरे हाथ से उसकी पीठ सहला रहा था, साथ ही उसी हाथ को उसके चूतड़ों पर फेर रहा था।

धीरे-धीरे उसको भी मज़ा आने लगा और वो मेरा साथ देने लगी।

जब मुझे लगा कि बाजी मेरे हाथों में है.. तो मैंने अपनी पकड़ ढीली की।

उसने मुझे धक्का दिया और कहने लगी- यह ग़लत है.. अगर किसी को पता लग गया.. तो बहुत बदनामी होगी।

फिर मैंने उसे समझाया- अगर हम ही किसी को नहीं बताएंगे.. तो किसी को कैसे पता

चलेगा।

अब वो कुछ बेफ़िक्र होकर मेरा साथ देने लगी।

मैंने उसके मम्मों को मसलना शुरू कर दिया और साथ में कोमल के होंठ भी चूस रहा था।

हमारी छत पर एक कमरा है.. जिसमें बेकार का सामान रखते थे।

मैं कोमल को कमरे में ले गया और एक चटाई बिछा कर उस पर कोमल को लिटा दिया और साथ में मैं भी लेट गया।

कोमल ने अपने शर्ट के नीचे अंडरशर्ट पहनी थी.. पर ब्रा नहीं पहनी थी। मैंने धीरे से उसका कमीज ऊपर कर दिया.. तो उसके मुलायम मम्मे मेरे सामने आ गए।

मैं एक हाथ से उसका चूचा मसल रहा था और दूसरे हाथ को उसकी सलवार के ऊपर से ही उसकी चूत पर फिरा रहा था।

मैंने कोमल के होंठ छोड़ कर उसके मम्मों को मुँह में ले लिया।

फिर मैंने कोमल के सारे कपड़े उतार दिए और खुद भी नंगा हो गया।

मेरा लण्ड देख कर वो घबरा गई और उसके मुँह से आवाज़ निकल गई 'इतना मोटा.. ये कैसे जाएगा..??'

मैंने एक हाथ से उसका हाथ पकड़ के अपने लण्ड पर रख दिया और सहलाने को कहा.. ताकि उसका डर थोड़ा कम हो जाए।

फिर मैं खड़ा होकर उसके मुँह के पास आ गया.. और उससे लण्ड चूसने को कहा.. पहले तो उसके मना किया.. पर मेरे बार-बार कहने पर मान गई और लण्ड मुँह में ले कर चूसने लगी। अब लंड चूसने में उसको भी मज़ा आने लगा था।

मैंने अपने लण्ड को उसके मुँह से निकाला और उसके ऊपर आ गया और उसे किस करने लगा, धीरे-धीरे नीचे आता गया और फिर उसके मम्मों को किस करते हुए उसके पेट को किस किया।

वो मजा ले रही थी.. मैंने अपने होंठ उसकी चूत पर रख दिए.. जिससे वो थोड़ा चिहुँक उठी और 'आहह आहह...' की आवाज़ें निकालने लगी ।

मैंने अपनी एक उंगली उसकी चूत पर रगड़नी शुरू कर दी और कई बार थोड़ी अन्दर डाल देता.. तो वो हल्के दर्द से चीख उठती ।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

जब वो पूरी गरम हो गई और उसकी चूत भी पूरी गीली हो चुकी थी.. तो मैं उसकी टाँगों के बीच में आ गया और अपने लंड का सुपाड़ा उसकी चूत पर रगड़ने लगा.. जिससे उसको बहुत मज़ा आया ।

मैंने थोड़ा ज़ोर लगाया तो सुपारा चूत के अन्दर एक इंच तक चला गया ।

कोमल की दर्द के मारे हल्की सी चीख निकल गई 'हाय, मैं तो मर गई.. निकाल बाहर..' मैं वैसे ही रुका रहा और उसके होंठों को चूसने लगा.. जिससे उसके ध्यान भटक जाए ।

फिर मैंने मौका देख कर थोड़ा ज़ोर लगाया.. तो लंड 3 इंच तक और अन्दर घुस गया । उसे बहुत दर्द हुआ.. पर उसके होंठ मेरे मुँह में होने के कारण चीख नहीं सकी, उसकी आँखों से आँसू निकल आए.. पर उसके मुँह से 'गूँ.. गूँ..' की आवाज़ निकलने लगी.. उसने अपने नाखून मेरी पीठ पर गड़ा दिए ।

मैं वैसे ही रुका रहा और उसे किस करता रहा.. जैसे ही वो नॉर्मल हुई.. मैंने ज़ोर का धक्का लगाया और पूरा लंड उसकी चूत में घुस गया.. जिससे 'फ़च..' की आवाज़ आई ।

इस आवाज़ और लण्ड पर गीलापन महसूस करके मैं समझ चुका था कि उसकी सील टूट गई है.. उसे बहुत दर्द हो रहा था ।

मगर मैं कुँवारी चूत को फाड़ने का सुख कैसे छोड़ देता ।

फिर मैं वैसे ही लेटा रहा.. जब तक उसका दर्द कम नहीं हुआ और चूमा चाटी करता रहा। उसकी आँखों से आँसू निकल रहे थे.. पर वो बोल नहीं सकती थी।

जब उसका दर्द कुछ कम हुआ.. तो मैंने लंड को अन्दर-बाहर करना स्टार्ट कर दिया.. जिससे उसको भी मज़ा आने लगा और वो कहने लगी- और ज़ोर से.. और ज़ोर से.. आज तुमने जन्नत की सैर करवा दी... मैं 15 मिनट तक उसको चोदता रहा.. इसी बीच वो 2 बार झड़ चुकी थी, उसके पानी की वजह से हर धक्के के साथ 'फ़च.. फ़च..' की आवाज़ आ रही थी।

जब मैं झड़ने वाला था.. तो मैंने लंड निकाल लिया लिया और उसके मुँह के पास ले आया और उसे चूसने को कहा। कोमल ने लंड चूस कर सारा पानी निकाल दिया और निगल गई। फिर मैं उसके साथ ही लेट गया और एक-दूसरे के बदन को सहलाते रहे, हमने एक-दूसरे को किस किया और कपड़े पहने और नीचे आ गए।

मम्मी-पापा सब बैठे थे.. तो कोमल पहले आई.. मैं दूसरी साइड से अन्दर आया.. ताकि किसी को शक ना हो। कोमल को दर्द भी हो रहा था.. पर किसी तरह उसने अपने दर्द को छुपा रखा था।

वो हमारे घर करीब एक महीना रही जिसमें हमने अलग-अलग तरीकों से खूब चुदाई की, हम प्रेमी-प्रेमिका की तरह रहते थे।

अब उसकी शादी हो गई है.. पर हमें जब भी मौका मिलता है.. हम यह खेल खेलते हैं।

आगे जो भी हुआ.. वो सब अगली कहानी में लिखूँगा।

यह कहानी मैंने कोमल की मज़ी से अन्तर्वासना पर डाली है.. उम्मीद है.. आपको अच्छी

लगी होगी । आगे भी अपने और कोमल के और किस्से लेकर हाज़िर होता रहूँगा । अगर आपको कहानी पसंद आई हो.. तो प्लीज़ मुझे मेल कर सकते हैं ।

आपको यह सच्ची दास्तान कैसे लगी जरूर लिखिएगा ।

amuaggarwal0@gmail.com

Other stories you may be interested in

कमसिन पड़ोसन की सील तोड़ चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम संजय गुप्ता है मेरी उम्र कोई 21 साल है. मेरे माता पिता सामान्य वर्ग से संबंध रखते हैं और हमारी फैमिली एक साधारण फैमिली है. मेरे माता पिता ने मुझे बहुत ही अच्छी शिक्षा दिलवाई. मैं बचपन [...]

[Full Story >>>](#)

चचेरी बहन की सील तोड़ी

यहाँ क्लिक अन्तर्वासना ऐप डाउनलोड करके ऐप में दिए लिंक पर क्लिक करके ब्राउज़र में साईट खोलें. ऐप इंस्टाल कैसे करें दोस्तो, चुत वाली आंटियों, भाभियों, लड़कियों और लण्ड वालों को मेरा नमस्कार। मेरा नाम प्रीतम है (बदला हुआ) और [...]

[Full Story >>>](#)

मेरी सील टूटने वाली चुदाई की कहानी

मेरे प्रिय दोस्तो, नमस्कार! मैं इस साइट की नियमित पाठिका हूँ. मैं मथुरा जिले की रहने वाली हूँ और मेरा नाम मीशी है. मैं आप लोगों से अपने सेक्स का पहला अनुभव शेयर करना चाहती हूँ. ये बात तब की [...]

[Full Story >>>](#)

कुंवारी भानजी की वासना और मेरे लंड की मस्ती

दोस्तो, मैं शिवा . . . आप सबने मेरी पिछली सेक्स कहानी गांव की देसी भाभी की मालिश और चुदाई एक बार फिर मैं अपनी सच्ची कहानी आप सब लोगों के सामने पर लेकर आया हूँ. इस कामुक कहानी में आप [...]

[Full Story >>>](#)

तीन पत्ती गुलाब-4

इस भयंकर प्रेमयुद्ध के बाद सुबह उठने में देर तो होनी ही थी। मधुर ने चाय बनाकर मुझे जगाया और खुद बाथरूम में घुस गयी। आज उसे अपनी मुनिया की सफाई करनी थी सो उसे पूरा एक घंटा लगाने वाला [...]

[Full Story >>>](#)

